

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्न कुण्डली के लिए सभी ग्रहों के द्रेषकोण बल की गणना करें। विभिन्न ग्रह कौन से द्रेषकोण में हैं कारण सहित बताएं?

राशि	लग्न-मीन	सूर्य-धनु	चन्द्र-मिथुन	
	मंगल-धनु	बुध(व)-धनु	बृहस्पति (व)-मेष	
	शुक्र-कुम्भ	शनि(व)-कर्क	राहु-तुला	केतु-मेष
नवांश	लग्न-सिंह	सूर्य-तुला	चन्द्र-वृश्चिक	
	मंगल-मिथुन	बुध-वृश्चिक	बृहस्पति-धनु	
	शुक्र-वृश्चिक	शनि-मकर	राहु-धनु	केतु-मिथुन

2. i) यदि प्रश्न एक में जन्म 11:20 प्रातः हो व वाराधिपति मंगल हो तो होराबल कितना होगा?
- ii) मध्य दिन व मध्य रात्रि में किस ग्रह को अधिकतम त्रिभाग बल मिलता है?
- iii) यदि किसी ग्रह को अधिकतम चेष्टाबल चाहिए तो वह कहाँ होगा?
- iv) किन दो स्थितियों में किसी ग्रह को 30 श. का अयन बल प्राप्त होगा?
- v) बृहस्पति को बली होने के लिए कितने रूपा का न्यूनतम ग्रह बल चाहिए?
- vi) एकादश भाव मध्य धनु राशि के प्रथम भाग में स्थित है। इसके लिए कितना भाव दिग्बल मिलेगा?
- vii) युद्धबल में किस ग्रह का अधिकतम प्रभाव होता है?
- viii) यदि चंद्रमा बृहस्पति से 120 अंश आगे है तो चंद्रमा का बृहस्पति पर कितना दिग्बल होगा।
- ix) यदि शनि लग्न में 15 अंश पर है तो उसे कितना दिग्बल मिलने की संभावना है?
- x) चंद्रमा का नैसर्गिक बल कितने रूपा है।

3. (क) इष्ट फल व कष्ट फल की गणना किस प्रकार करते हैं?

(ख) निम्न का उत्तर दें :-

1. यदि चन्द्रमा 9रा 14:23 अंश पर व सूर्य 5रा 14:56 अंश पर है तो बृहस्पति व मंगल का पक्ष बल ज्ञात करें।
2. यदि जातक रात्रि के द्वितीय भाग में जन्मा है तो बृहस्पति व चन्द्रमा का त्रि भाग बल बताएं।
3. यदि सूर्य व शनि की क्रान्ति 24 अंश उत्तर है तो उनका अयन बल ज्ञात करें।
4. यदि बृहस्पति 4रा 27:00 अंश पर है तो उसका उच्च बल ज्ञात करें।
5. यदि बृहस्पति 147.78 अंश पर है तो उसका उच्च बल ज्ञात करें।

4. निम्न कुण्डली के लिए भाव दिग्बल की गणना करें।
(जन्म - 9.6.1949, 14:10 बजे, 31उ. 35, 74 पू. 53)
लग्न-कन्या 17:24, सूर्य-वृषभ 25:14, चन्द्र-वृश्चिक 4:38, मंगल-वृषभ 6:21
बुध(व)-वृषभ 17:02, बृहस्पति(व)-मकर 8:24, शुक्र-मिथुन 9:11, शनि-सिंह 7:27,
राहु-मेष 1:17, केतु-तुला 1:17, दशम भाव-मिथुन 18:08

5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखें :-

- | | | |
|----------------|-------------|-------------------|
| 1. भाव बल | 2. अहर्गण | 3. सप्त वर्गीय बल |
| 4. नैसर्गिक बल | 5. चेष्टाबल | |

भाग-II (भाव निर्णय)

6. क) आप यह कैसे पता चलाएंगे कि कोई भाव बली है अथवा नहीं?
ख) निम्न कुण्डली के प्रथम भाव की विस्तार से विवेचना करें
लग्न-मिथुन 23:05, सूर्य-तुला 22:38, चन्द्र-तुला 6:23, मंगल-मकर 9:21
बुध-तुला 18:01, बृहस्पति-कन्या 29:21, शुक्र-तुला 4:01, शनि-मेष 11:11
राहु-कम्ब 26:15 (जन्म 8.11.1969, 21:30, दिल्ली, महिला)
7. दशांश वर्ग कुण्डली का क्या महत्व है? निम्न कुण्डली के लिए दशांश बनाए व जातक के व्यवसाय पर विस्तार से चर्चा करें।
जन्म - 17.10.1970, 9:40, बेंगलोर, दशा शेष - सूर्य 4व 13 दि.
लग्न-वृश्चिक 18:02, सूर्य-कन्या 29:56, चन्द्र-वृषभ 01:02, मंगल-कन्या 04:28
बुध-कन्या 22:46, बृहस्पति-तुला 17:59, शुक्र-वृश्चिक 01:32,
शनि(व)-मेष 27:39, राहु-कुंभ 08:01
8. किन्हीं दो पर लिखें (प्रश्न 6 की कुण्डली के आधार पर)
क) शिक्षा (ख) विदेश आवास (ग) आर्थिक स्थिति
9. योग क्या है। भाव की विवेचना करने के लिए योग का क्या महत्व है। क्या योग जन्म से ही फल देता है।
10. किन्हीं दो पर उदाहरण सहित लिखें :-
1. भावात् भावम् सिद्धांत
2. कारको भाव नाशाय
3. केन्द्र अधिपत्य दोष